10 काठ की पुतली : नाचे, गाएँ

पात्र परिचय :–

पुतली वाला – कठपुतली का खेल दिखाने वाला जो पुतलियों को धागे से नचाता व संवाद बोलता है।

सलीम – एक बच्चा।

राधे – दूसरा बच्चा।

(कठपुतली वाला खेल दिखा रहा है।)

सलीम – यह सीटी कैसी बजी ? चीं –चीं, चूँ–चूँ। यह कौन बजा रहा है ?

राधे – यह तो कठपुतली वाला बजा रहा है। पर्दे के पीछे उसका साथी ढोलक बजा रहा है। लो, देखो सलीम! खेल शुरू हो गया है।

सलीम – पुतली झाड़ू लगा रही है और सीटी भी बज रही है।

वाह! अरे! वाह!! वह तो गई। उड़ कैसे गई ?

राधे – पुतली वाला उसे डोरे से खींचकर ऊपर ले गया। अंगुलियों में डोरे बाँधकर पुतली नचा रहा है और मुँह से सीटी बजा कर तरह–तरह की धुन निकाल रहा है। कमाल का काम है भाई।

सलीम – अब कौन आया ? भिश्ती! सुनो, वह क्या कह रहा है ?''भिश्ती फ़ैज़ाबाद का, पानी है गुलाब का।'' वह पानी का छिड़काव कर रहा है। वह भी चला गया।

राधे – अब क्या होगा ? अच्छा, दरबार लगेगा! देखो, कुर्सियाँ उतर रही हैं। राजा–महाराजा आकर बैठ रहे हैं। कोई घोड़े पर, कोई हाथी पर, कोई ऊँट पर। डुगडुगी वाला डुगडुगी बजा रहा है। बोल भी रहा है –

(पर्दे के पीछे से कठपुतली वाले की आवाज)

और बजेगी और बजेगी, जरा–सी और बजेगी। ''मेहरबान! अब मिट्ठन पट्टेबाज आपके सामने आ रहा है।''

राधे – यह कौन बोला ? पहरेदार ? अच्छा वह लम्बा चोगेवाला! और यह आ गया पट्टेबाज़ पहलवान! कमाल है! कैसे–कैसे हाथ चला रहा है, पट्टा कैसे घुमा रहा है। राजा लोग तालियाँ बजा रहे हैं और सीटी कैसे बज रही है ? चँई–चूँ–चँई गए पहलवान जी।

सलीम – यह कौन आ गई ? एकदम परी जैसी ? झुककर नमस्कार करती है और नाचती है। बहुत खूब, भाई बहुत खूब। पुतली वाला तो कमाल का आदमी है।

राधे – अब यह कौन आ गई ? माथे पर टोकरी, हाथ मटकाती, वह तो आकर बैठ गई है। सुनो–सुनो, वह गाना गा रही है।

(पर्दे के पीछे से गाने की आवाज़)

''तरकारी ले लो, ले के आई मैं बीकानेर से।
आलक बेचूँ, पालक बेचूँ और बेचूँ चंदलोई,
भाव–ताव में फर्क नहीं है, बच्चा ले या कोई।
तरकारी ले लो, ले के आई मैं बीकानेर से।''

लो वह चली गई,
अपना गाना गाकर और नाच दिखाकर।

सलीम – अब ये राजा क्या कर रहे हैं ? सब बोल रहे हैं। सुनो–सुनो, ऐसा लगता है, उनमें झगड़ा हो रहा है।

(पर्दे के पीछे से झगड़ने की आवाज़)

''पहले मैं जाऊँगा, मैं बड़ा हूँ।''

''नहीं, पहले मैं जाऊँगा, मैं बड़ा हूँ।''

''तुम बड़े नहीं, मैं हूँ।''

''मैं हूँ, मैं हूँ'' कहते हुए वे तो लड़ने लग गए।

अरे, अरे ! तलवारें चल रही है। लड़ाई हो रही है। वह एक गिरा। वह दूसरा गिरा। एक–एक करके सब गिर पड़े, लड़ मरे! अब क्या होगा ?

(पर्दे के पीछे से गाने की आवाज़)

लड़ो मती भाई, लड़ो मती,

आपस में लड़कर मरो मती।

साथ रहो, भाई साथ रहो,

मिल–जुलकर सब साथ रहो।

राधे – देखो ना! सब लड़कर मर गए।

चीं–चीं–चीं, चूँ–चूँ–चूँ भाई लोगों, आज का खेल खत्म हुआ।

(पुतली वाला सामने आकर सभी को सलाम करता है और कहता है) डालो, थाली में पैसे डालो।

(सभी तालियाँ बजाते हैं।)

सलीम – मजा आ गया। पुतलियाँ कैसे–कैसे खेल दिखाती हैं।

राधे – कमाल तो कठपुतली का है। धागो से अंगुलियों के सहारे कठपुतलियों को कैसे नचाता है।

देखो– वह पैसे बटोर रहा है।

अपना सामान समेट रहा है।

सलीम – राधे! चलो, बहुत मजा आया। अब घर चलते हैं।

अभ्यास कार्य

शब्द–अर्थ

कठपुतलियाँ	–	लकड़ी और कपड़े से बनाए गए पुतले
भिश्ती	–	मशक से पानी छिड़कने वाला
कमाली	–	अनोखा काम करने वाला
पट्टेबाज़	–	पट्टा चलाने वाला
पहरेदार	–	पहरा देने वाला

तरकारी – सब्जी

तमाशा – खेल

उच्चारण के लिए

पट्टेबाज, मिट्ठन, फैजाबाद, कठपुतलियाँ, अंगुलियों

सोचें और बताएँ

1. खेल दिखाने वाला पुतलियों को किससे नचाता था ?
2. राजा लोग क्या कर रहे थे ?
3. माथे पर टोकरी लेकर कौन आई ?

लिखें

1. सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखें

   (अ) पुतली ने सबसे पहले कौनसा काम किया था ?

   (क) छिड़काव लगाया (ख) झाड़ू लगाया

   (ग) कुर्सियाँ उतारी (घ) उड़ गई ( )

   (ब) "मिल – जुलकर सब रहो।" ये शब्द किसने कहे।

   (क) डुगडुगी वाले ने (ख) राजा ने

   (ग) पुतली वाले ने (घ) सिपाही ने ( )

2. सही / गलत पर निशान लगाएँ

   (अ) कठपुतली वाला पुतली को डोरे से खींचता है। (सही / गलत)

   (ब) मिट्ठन पट्टेबाज़ छोटे चोगे वाला है। (सही / गलत)

   (स) खेल के बाद पुतली वाले ने पैसे इकट्ठे नहीं किए। (सही / गलत)

   (द) बाहर कोने में पहरेदार बैठा है। (सही / गलत)

3. कठपुतलियों को कौन नचाता है ?
4. कठपुतली ने कौन–कौनसे खेल दिखाए ?

5. कठपुतली वाले ने कौनसा गीत सुनाया ?
6. मंच पर कौन–कौनसी कठपुतलियाँ आई ?

भाषा की बात

शब्द बनाओ

- पाठ में पट्टेबाज़ शब्द आया है। यह 'पट्टे' और 'बाज़' से मिलकर बना है। तुम भी 'बाज' जोड़कर नये शब्द बनाएँ

  दगा + बाज =..... कला + बाज =.....

  चाल + बाज =..... तलवार + बाज =.....

- पहरेदार शब्द पहरे में दार जुड़कर बना है। आप भी दिए गए शब्दों के साथ 'दार' जोड़कर नए शब्द बनाएँ

  ईमान + दार =..... दुकान + दार =.....

  खुशबू + दार =..... चौकी + दार =.....

  बदबू + दार =..... समझ + दार =.....

- निम्नलिखित पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द बनाएँ

  घोड़ा – घोड़ी मोर – मोरनी

  लड़का – ..... शेर – .....

  बेटा – ..... ऊँट – .....

- नीचे लिखी क्रियाओं से एक–एक वाक्य बनाएँ

  सोना –मैं खाट पर सोता हूँ।

  (क) पढ़ना – .....

  (ख) लिखना – .....

  (ग) खाना – .....

  (घ) लाना – .....

(ङ) पीना – .....

(च) देना – .....

यह भी करें–

- नाच दिखाते समय यदि पुतली के डोरे टूट जाएँ, तो क्या होगा ? बताएँ।
- कठपुतली वाले द्वारा दिखाए खेलों में से तुमको कौनसा खेल सबसे अच्छा लगा ? और क्यों ?

  तुम्हारे आस – पास कठपुतली का खेल हो तो देखो।
- शिक्षक की सहायता से निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिनय करें

सब्जी बेचने वाला	–	सब्ज़ी खरीदने वाला
अध्यापिका	–	छात्रा
माँ	–	बेटा
डॉक्टर	–	मरीज

- शिक्षक /शिक्षिका किताब की किसी मनपसंद कहानी का बच्चों से अभिनय कराएँ।

जानकारी बढ़ाएँ

भारत में कठपुतली के अलावा दस्ताना पुतली, छड़ पुतली, छाया पुतली, अंगुली पुतली, जल पुतली, कागज पुतली आदि भी प्रचलन में है।

- **भारतीय लोककला मण्डल, उदयपुर।**

उदयपुर के पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में पुतली संग्रहालय है। उदयपुर में ही भारतीय लोककला मण्डल में कठपुतली का नृत्य दिखाया जाता है। हमारे राज्य में कई संग्रहालय व स्थान हैं, जहाँ कठपुतली का खेल नियमित रूप से दिखाया जाता है।

लगन और योग्यता एक साथ मिलें तो निश्चय ही एक अद्वितीय रचना का जन्म होता है

– मुक्ता